SYLLABUS (पाठ्यक्रम)

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

- Unit -2 - मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य
- Unit -4 - मध्यप्रदेश का भूगोल
- Unit -5 – मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था
- Unit -6 - मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था
- Unit -8 – मध्यप्रदेश की समसामयिक घटनाएं
- Unit -10 - मध्यप्रदेश की जनजातियाँ – विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

2- MAINS (मुख्य परीक्षा)

- म.प्र. का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें (Paper-1, part-A, unit-2,4,5)
- मध्य प्रदेश का भूगोल (Paper-1, part-B, unit-5)
- मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन (Paper-2, part-A, unit-4,5)
- मानव संसाधन विकास व सामाजिक कल्याण की योजनाएं (Paper-2, part-B, unit-5)
- मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था (Paper-3, part-A, unit-3,4)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

EXAM का PATTERN (PRELIMS)

Paper Name	Question	Marks	Time
Paper 1st (General Studies)	100	200	2 Hours
Paper 2nd (Aptitude Test)	100	200	2 Hours
Total	**200**	**400**	**04 Hours**

PRESENTED BY PRAMOD RANA

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

NEW SYLLABUS

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -2 - मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

2. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**
   - मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
   - स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
   - मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -4 - मध्यप्रदेश का भूगोल

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

4. **मध्यप्रदेश का भूगोल**
   - वन, वनोपज, नदियाँ, पहाड़ियाँ और पठार।
   - जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
   - प्राकृतिक संसाधन– मिट्टियाँ, प्रमुख खनिज संसाधन।
   - प्रमुख फसलें, जल संसाधन, सिंचाई और सिंचाई परियोजनाएँ।
   - ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
   - जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, नगरीकरण।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -5 - मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

5. भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था

- संविधान सभा।
- संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति एवं संसद।
- सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक व्यवस्था।
- संवैधानिक संशोधन।
- नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांत।
- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक आयोग एवं संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय)।
- मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज एवं नगरीय प्रशासन व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश में सुशासन (अभिशासन व्यवस्था)।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -6 - मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

6. भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था

- भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति।
- मध्यप्रदेश की जनसंख्या व मानवीय संसाधनों का विकास– शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल।
- सतत् विकास लक्ष्यों में मध्यप्रदेश की प्रगति।
- मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, एम.एस.एम.ई. एवं अधोसंरचना का विकास।
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की प्रगति।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की नवीन प्रवृत्तियाँ– कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र।
- वित्तीय संस्थाएँ– रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, सेबी, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएँ।
- भारत की विदेशी व्यापार की नीतियाँ एवं जी–20, सार्क तथा एशियान।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Unit -10 - मध्यप्रदेश की जनजातियां – विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

1- PRELIMS (प्रारंभिक परीक्षा)

10. मध्यप्रदेश की जनजातियाँ– विरासत, लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य

- मध्यप्रदेश में जनजातियों का भौगोलिक विस्तार, जनजातियों से संबंधित संवैधानिक प्रावधान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ, विशेष पिछड़ी जनजातियाँ एवं घुमन्तू जातियाँ, जनजातियों के कल्याण के लिए योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनजातीय संस्कृति– परम्पराएँ, विशिष्ट कलाएँ, त्यौहार, उत्सव, भाषा, बोली एवं साहित्य।
- मध्यप्रदेश की जनजातियों का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान एवं राज्य के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व। मध्यप्रदेश में जनजातियों से संबंधित प्रमुख संस्थान, संग्रहालय, प्रकाशन।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति एवं लोक साहित्य।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

EXAM का PATTERN (MAINS)

S.No.	Name of the Papers	Part	Name of the Subject.	Hours	Marks.	Medium
1.	Paper-I	A	इतिहास	3 Hours	300	Hindi & English
		B	भूगोल			
2.	Paper-II	A	राजनीति विज्ञान	3 Hours	300	Hindi & English
		B	समाज शास्त्र			
3.	Paper-III	A	अर्थशास्त्र	3 Hours	300	Hindi & English
		B	विज्ञान, तकनीक एवं जन स्वास्थ्य			
4.	Paper-IV	A	दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, लोकप्रशासन एवं केस स्टडी	3 Hours	300	Hindi & English
		B	उद्‌मिता, प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास एवं केस स्टडी			
5.	Paper-V	-	सामान्य हिन्दी एवं व्याकरण	2 Hours	200	Hindi
6.	Paper-VI	-	हिन्दी निबंध एवं प्रारूप लेखन	2:30 Hours	100	Hindi
Total					1500	

साक्षात्कार- 185 अंक

PRESENTED BY PRAMOD RANA

कुल अंक- 1500 अंक

MPPSC MAINS (PAPER-1,2,3)

1/ **सामान्य अध्ययन– प्रथम प्रश्नपत्र, द्वितीय प्रश्न पत्र एवं तृतीय प्रश्नपत्र** के दोनों खंडों 'अ' तथा 'ब' में अभ्यर्थियों द्वारा केवल हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषा में उत्तर लिखे जा सकेंगे। उपर्युक्त तीनों प्रश्न पत्रों के प्रत्येक खंड 'अ' तथा खंड 'ब' में पूर्णांकों का वर्गीकरण निम्नानुसार होगा :–

प्रश्नों का स्वरूप	प्रश्नों की संख्या	अंक (प्रति प्रश्न)	अधिकतम शब्द संख्या प्रति प्रश्न	पूर्णांक
01 अति लघुत्तरीय	15	02	20	30
02 लघुत्तरीय	10	07	60	70
03 दीर्घ उत्तरीय	05	10	200	50
योग	30 प्रश्न			150 अंक

मध्य प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें
(Paper-1, part-A, unit-2,4,5)

2- MAINS (मुख्य परीक्षा)

इकाई–2

- प्रागेतिहासिक एवं आद्य–ऐतिहासिक मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के प्रमुख राजवंश, गर्दभिल्ल वंश, नागवंश, औलिंकर, परिव्राजक राजवंश, उच्च कल्प वंश, गुर्जर–प्रतिहार, कल्चुरी, चंदेल, परमार, तोमर, गोंडवंश, कच्छपघात वंश।

इकाई–3

- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन।

मध्य प्रदेश का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य एवं रियासतें
(Paper-1, part-A, unit-2,4,5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–4

- गणतंत्र के रूप में भारत का उदय, राज्यों का पुनर्गठन, मध्यप्रदेश राज्य के रूप में गठन, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् की प्रमुख घटनाएँ।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत (मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में)– प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विभिन्न कला प्रारूपों, साहित्य, पर्व (उत्सव) एवं वास्तुकला के प्रमुख पक्ष।
- म.प्र. में विश्व धरोहर स्थल एवं पर्यटन।

इकाई–5

- मध्यप्रदेश की प्रमुख रियासतें– गोंडवाना, बुंदेली, बघेली, होल्कर, सिंधिया एव भोपाल रियासत (स्वतंत्रता प्राप्ति तक)।
- मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान– राजा शंकरशाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, भीमाजी नायक, खाज्यानायक, टंट्या भील, गंजनसिंह कोरकू, बादल भोई, पेमा फाल्या।

Activate Winc
Go to Settings to a

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्य प्रदेश का भूगोल
(Paper-1, part-B, unit-5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–5 मध्यप्रदेश का भूगोल

- प्रमुख भू–आकृतिक (भौतिक) विभाग– मालवा का पठार, मध्य भारत का पठार, बुन्देलखण्ड पठार, विंध्याचल श्रेणी, बघेलखंड पठार, नर्मदा–सोन घाटी, सतपुड़ा श्रेणी।
- प्रमुख नदियाँ और उनकी सहायक नदियाँ।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- मध्यप्रदेश की मिट्टियाँ, प्रकार एवं वितरण, मृदा अपरदन एवं मृदा संरक्षण।
- प्राकृतिक वनस्पति– वनों के प्रकार और वितरण, प्रमुख वनोपज।
- प्रमुख फसलें, सिंचाई एवं सिंचाई परियोजनाएँ।
- प्रमुख खनिज और ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत।
- प्रमुख उद्योग, लघु एवं कुटीर उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण और घनत्व, नगरीकरण।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन
(Paper-2, part-A, unit-4,5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–4

- राज्यों का पुनर्गठन 1956 तथा मध्यप्रदेश का निर्माण, मध्यप्रदेश का विभाजन (2000)।
- राज्यपाल– नियुक्ति, शक्ति, स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद– संगठन, कार्य एवं भूमिका।
- मध्यप्रदेश की विधानसभा– संगठन एवं शक्तियाँ, अध्यक्ष की भूमिका, विपक्ष की भूमिका।
- मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, संगठन, क्षेत्राधिकार एवं भूमिका।
- जवाबदेही एवं अधिकार– प्रतिस्पर्धा आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, मानव अधिकार आयोग, सूचना आयोग, उपभोक्ता फोरम, बाल आयोग, महिला आयोग।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्य प्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था एवं प्रशासन
(Paper-2, part-A, unit-4,5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–5

- मध्यप्रदेश का प्रशासन– सचिवालय, मुख्य सचिव, सचिव तथा आयुक्त, मध्यप्रदेश में जिला प्रशासन, जिलाधीश की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण स्थानीय स्वशासन– पंचायतीराज संगठन एवं शक्तियाँ, शहरी स्थानीय स्वशासन– संगठन एवं शक्तियाँ, स्थानीय स्वशासन में वित्त नौकरशाही एवं स्वायत्तता का महत्व।
- मध्यप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य– जनजातीय, पिछड़े एवं वंचित वर्ग का उत्थान एवं नक्सली समस्या से जुड़े मुद्दे।
- मध्यप्रदेश की राजनीति में महिलाओं का योगदान।
- मध्यप्रदेश की राजनीति में समसामयिक मुद्दे।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मानव संसाधन विकास व सामाजिक कल्याण की योजनाएं
(Paper-2, part-B, unit-5)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–5 मानव संसाधन विकास और सामाजिक कल्याण की योजनाएँ

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020– विजन, सिद्धांत, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, वयस्क शिक्षा और जीवन–पर्यन्त सीखना।
- सामाजिक वर्गों और उनके कल्याण कार्यक्रमों से संबंधित मुद्दे– वरिष्ठ नागरिक, बच्चे, महिलाएँ, विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग और विकासात्मक परियोजनाओं से उत्पन्न विस्थापित समूह, बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े मुद्दे।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम, विस्तार शिक्षा, पंचायती राज, सामुदायिक विकास में गैर–सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में जनजातियों की स्थिति एवं सामाजिक संरचना, रीति–रिवाज। जनजातियों में विश्वास, विवाह, रिश्तेदारी, धार्मिक विश्वास, परंपराएँ, त्यौहार और उत्सव।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति।

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था
(Paper-3, part-A, unit-3,4)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–3 मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अवलोकन

- मध्यप्रदेश में राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश (ANMP)। एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP)।
- प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न तथा जोत।
- खाद्य सुरक्षा, वितरण प्रणाली और भंडारण।
- उद्यानिकी, पशुधन, डेयरी व मत्स्य पालन।
- औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति, अधोसंरचना का विकास।
- एम.एस.एम.ई. और पारंपरिक उद्योगों का विकास और समर्थन।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी विकास, जनजातीय अर्थव्यवस्था– कृषि पद्धति, प्रमुख वनोपज, हस्तशिल्प एवं हाट बाजार।
- पर्यटन, व्यापार और निवेश प्रोत्साहन।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था
(Paper-3, part-A, unit-3,4)

2- MAINS
(मुख्य परीक्षा)

इकाई–4 मध्य प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास

- स्वास्थ्य अधोसंरचना, शिक्षा और कौशल विकास।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए नीतियाँ– वन, जल और खनिज।
- वित्तीय, सामाजिक समावेशन एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी का प्रभाव।
- मानव संसाधन की उत्पादकता और रोजगार।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की प्रगति।
- राज्य का राजस्व, व्यय, ऋण एवं राजकोषीय अनुशासन।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Mains Paper-1, part-A

Mp Pre+Mains Same Syllabus

इकाई–2

- प्रागेतिहासिक एवं आद्य–ऐतिहासिक मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के प्रमुख राजवंश, गर्दभिल्ल वंश, नागवंश, औलिंकर, परिव्राजक राजवंश, उच्च कल्प वंश, गुर्जर–प्रतिहार, कल्चुरी, चंदेल, परमार, तोमर, गोंडवंश, कच्छपघात वंश।

इकाई–3

- मध्यप्रदेश में स्वतंत्रता आंदोलन।

इकाई–4

- गणतंत्र के रूप में भारत का उदय, राज्यों का पुनर्गठन, मध्यप्रदेश राज्य के रूप में गठन, स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् प्रमुख घटनाएँ।
- भारतीय सांस्कृतिक विरासत (मध्यप्रदेश के विशेष संदर्भ में)– प्राचीन काल से आधुनिक काल तक विभिन्न कला प्रारूपों, साहित्य, पर्व (उत्सव) एवं वास्तुकला के प्रमुख पक्ष।
- म.प्र. में विश्व धरोहर स्थल एवं पर्यटन।

इकाई–5

- मध्यप्रदेश की प्रमुख रियासतें– गोंडवाना, बुंदेली, बघेली, होल्कर, सिंधिया एव भोपाल रियासत (स्वतंत्रता प्राप्ति तक)।
- मध्यप्रदेश के जनजातीय नायकों का संघर्ष एवं इतिहास में योगदान– राजा शंकरशाह, रघुनाथ शाह, रानी दुर्गावती, भीमाजी नायक, खाज्यानायक, टंट्या भील, गंजनसिंह कोरकू, बादल भोई, पेमा फाल्या।

Mppsc Pre

2. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**
   - मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
   - स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
   - मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
   - मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
   - मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

Activate Windows
Go to Settings to a
...OD RANA

Mains Paper-1, part-B

Mp Pre+Mains Same Syllabus

इकाई–5 मध्यप्रदेश का भूगोल

- प्रमुख भू–आकृतिक (भौतिक) विभाग– मालवा का पठार, मध्य भारत का पठार, बुन्देलखण्ड पठार, विंध्याचल श्रेणी, बघेलखंड पठार, नर्मदा–सोन घाटी, सतपुड़ा श्रेणी।
- प्रमुख नदियाँ और उनकी सहायक नदियाँ।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- मध्यप्रदेश की मिट्टियाँ, प्रकार एवं वितरण, मृदा अपरदन एवं मृदा संरक्षण।
- प्राकृतिक वनस्पति– वनों के प्रकार और वितरण, प्रमुख वनोपज।
- प्रमुख फसलें, सिंचाई एवं सिंचाई परियोजनाएँ।
- प्रमुख खनिज और ऊर्जा संसाधन, ऊर्जा के गैर–पारंपरिक स्रोत।
- प्रमुख उद्योग, लघु एवं कुटीर उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण और घनत्व, नगरीकरण।

Activate Windows
Go to Settings to activate Windows.

Mppsc Pre

4. मध्यप्रदेश का भूगोल
- वन, वनोपज, नदियाँ, पहाड़ियाँ और पठार।
- जलवायु– ऋतुएँ, तापमान, वर्षा।
- प्राकृतिक संसाधन– मिट्टियाँ, प्रमुख खनिज संसाधन।
- प्रमुख फसलें, जल संसाधन, सिंचाई और सिंचाई परियोजनाएँ।
- ऊर्जा के पारंपरिक और गैर–पारंपरिक स्रोत।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग।
- जनसंख्या वृद्धि, वितरण एवं घनत्व, नगरीकरण।

Mains Paper-2, part-A

Mp Pre+Mains Same Syllabus

इकाई–4

- राज्यों का पुनर्गठन 1956 तथा मध्यप्रदेश का निर्माण, मध्यप्रदेश का विभाजन (2000)।
- राज्यपाल– नियुक्ति, शक्ति, स्थिति, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद– संगठन, कार्य एवं भूमिका।
- मध्यप्रदेश की विधानसभा– संगठन एवं शक्तियाँ, अध्यक्ष की भूमिका, विपक्ष की भूमिका।
- मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, संगठन, क्षेत्राधिकार एवं भूमिका।
- जवाबदेही एवं अधिकार– प्रतिस्पर्धा आयोग, अनुसूचित जाति आयोग, अनुसूचित जनजाति आयोग, पिछड़ा वर्ग आयोग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग, मानव अधिकार आयोग, सूचना आयोग, उपभोक्ता फोरम, बाल आयोग, महिला आयोग।

Mppsc Pre

5. भारत एवं मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था
- संविधान सभा।
- संघीय कार्यपालिका, राष्ट्रपति एवं संसद।
- सर्वोच्च न्यायालय एवं न्यायिक व्यवस्था।
- संवैधानिक संशोधन।
- नागरिकों के मौलिक अधिकार, कर्तव्य एवं राज्य के नीति–निदेशक सिद्धांत।
- राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक आयोग एवं संस्थाएँ।
- मध्यप्रदेश की संवैधानिक व्यवस्था (राज्यपाल, मंत्रिमंडल, विधानसभा, उच्च न्यायालय)।
- मध्यप्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायतीराज एवं नगरीय प्रशासन व्यवस्था।
- मध्यप्रदेश में सुशासन (अभिशासन व्यवस्था)।

Mains Paper-2, part-B

Mp Pre+Mains Same Syllabus

Mppsc Pre

इकाई–5 मानव संसाधन विकास और सामाजिक कल्याण की योजनाएँ

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020– विजन, सिद्धांत, स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा, ऑनलाइन और डिजिटल शिक्षा, वयस्क शिक्षा और जीवन–पर्यन्त सीखना।
- सामाजिक वर्गों और उनके कल्याण कार्यक्रमों से संबंधित मुद्दे– वरिष्ठ नागरिक, बच्चे, महिलाएँ, विशेषाधिकार प्राप्त वर्ग और विकासात्मक परियोजनाओं से उत्पन्न विस्थापित समूह, बालिकाओं की शिक्षा से जुड़े मुद्दे।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम, विस्तार शिक्षा, पंचायती राज, सामुदायिक विकास में गैर–सरकारी संगठनों (एन.जी.ओ.) की भूमिका।
- मध्यप्रदेश में जनजातियों की स्थिति एवं सामाजिक संरचना, रीति–रिवाज। जनजातियों में विश्वास, विवाह, रिश्तेदारी, धार्मिक विश्वास, परंपराएँ, त्यौहार और उत्सव।
- मध्यप्रदेश की लोक संस्कृति।

2. **मध्यप्रदेश का इतिहास, संस्कृति एवं साहित्य**
- मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाएँ, प्रमुख राजवंश।
- स्वतंत्रता आंदोलन में मध्यप्रदेश का योगदान।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख कला एवं स्थापत्य कला।
- मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियाँ एवं उनकी बोलियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख त्योहार, लोक संगीत, लोक कलाएँ एवं लोक–साहित्य।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख साहित्यकार एवं उनकी कृतियाँ।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक पर्यटन स्थल।
- मध्यप्रदेश में विश्व धरोहर स्थल।
- मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय व्यक्तित्व।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

Mains Paper-3, part-A

Mp Pre+Mains Same Syllabus

इकाई–3 मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का अवलोकन

- मध्यप्रदेश में राज्य घरेलू उत्पाद और प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश (ANMP)। एक जिला एक उत्पाद कार्यक्रम (ODOP)।
- प्रमुख फसलें और फसल पैटर्न तथा जोत।
- खाद्य सुरक्षा, वितरण प्रणाली और भंडारण।
- उद्यानिकी, पशुधन, डेयरी व मत्स्य पालन।
- औद्योगिक क्षेत्र की स्थिति, अधोसंरचना का विकास।
- एम.एस.एम.ई. और पारंपरिक उद्योगों का विकास और समर्थन।
- मध्यप्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी विकास, जनजातीय अर्थव्यवस्था– कृषि पद्धति, प्रमुख वनोपज, हस्तशिल्प एवं हाट बाजार।
- पर्यटन, व्यापार और निवेश प्रोत्साहन।

इकाई–4 मध्य प्रदेश में सामाजिक एवं आर्थिक विकास

- स्वास्थ्य अधोसंरचना, शिक्षा और कौशल विकास।
- प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के लिए नीतियाँ– वन, जल और खनिज।
- वित्तीय, सामाजिक समावेशन एवं कल्याणकारी योजनाएँ।
- मध्यप्रदेश की जनसांख्यिकी का प्रभाव।
- मानव संसाधन की उत्पादकता और रोजगार।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों की प्रगति।
- राज्य का राजस्व, व्यय, ऋण एवं राजकोषीय अनुशासन।

Mppsc Pre

6. **भारत एवं मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था**
- भारतीय अर्थव्यवस्था में मध्यप्रदेश की वर्तमान स्थिति।
- मध्यप्रदेश की जनसंख्या व मानवीय संसाधनों का विकास– शिक्षा, स्वास्थ्य एवं कौशल।
- सतत् विकास लक्ष्यों में मध्यप्रदेश की प्रगति।
- मध्यप्रदेश में कृषि, उद्योग, एम.एस.एम.ई. एवं अधोसंरचना का विकास।
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश, एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)।
- मध्यप्रदेश में बौद्धिक संपदा अधिकारों (आई.पी.आर.) की प्रगति।
- भारतीय अर्थव्यवस्था की नवीन प्रवृत्तियाँ– कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र।
- वित्तीय संस्थाएँ– रिजर्व बैंक, वाणिज्यिक बैंक, सेबी, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाएँ।
- भारत की विदेशी व्यापार की नीतियाँ एवं जी–20, सार्क तथा एशियान।

D BY PRAMOD RANA

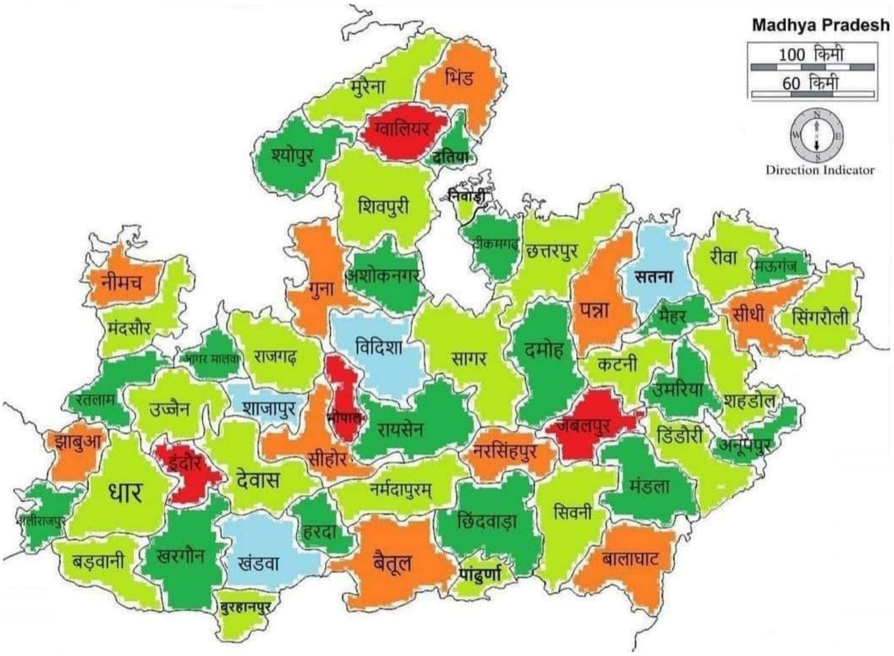

मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान तथा पुनर्गठन

PYQs

अति लघु उत्तरीय	लघु उत्तरीय	दीर्घ उत्तरीय
मध्य प्रांत सरकार (2023)	म.प्र. के पुनर्गठन के बारे में विवरण दीजिए। (2020)	सॉंची क्यों प्रसिद्ध है। वर्णन कीजिए। (2022)
भीमबैटका को किस वर्ष विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। (2022)	स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् गठित ''मध्यभारत राज्य की भौगोलिक स्थिति पर प्रकाश डालिए। (2019)	
हृदयनाथ कुंजरू (2021)	म.प्र. के विश्व धरोहर स्थलों का संक्षेप में विवरण दीजिए। (2019)	
म.प्र. के चारों ओर स्थित राज्यों के नाम बताएं तथा राज्य का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लिखें। (2016)		

मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

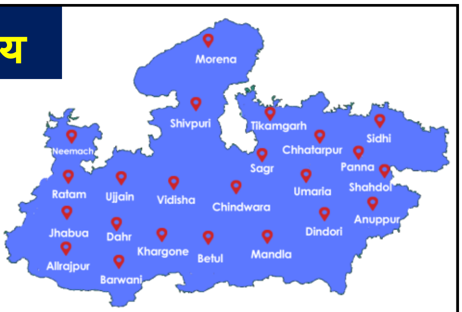

- राज्य दिवस :- मध्यप्रदेश दिवस 1 नवम्बर
- मध्यप्रदेश की स्थापना – 1 नवम्बर 1956
- 1 नवम्बर 1956 को म.प्र. में 43 जिले तथा 7 या 8 संभाग थे।
- राजकीय फसल – सोयाबीन (आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार म.प्र., भारत में सोयाबीन का सबसे बडा उत्पादक है।)

- मध्यप्रदेश गान – मेरा मध्यप्रदेश (रचनाकार - महेश श्रीवास्तव, गीतकार – शांतनु मुखर्जी, संगीतकार – सुनील झा । 2010-11 में राजकीय गान घोषित किया।)
- नोट- महेश श्रीवास्तव को 2012 का गणेश शंकर विद्यार्थी पुरूस्कार मिला है।
- मध्यप्रदेश की राजभाषा – हिन्दी

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

- **म.प्र. के उपनाम –**

- ✓ सोया प्रदेश- सोयाबीन का सबसे ज्यादा उत्पादन के कारण।
- ✓ टाइगर प्रदेश- बाघ रिपोर्ट 2022 के अनुसार म.प्र. में बाघों की संख्या सर्वाधिक है – 785 (भारत-3682)। अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस – 29 जुलाई

- ✓ ह्रदय प्रदेश- जिस प्रकार ह्रदय शरीर के लिए महत्वपूर्ण है, ठीक उसी प्रकार म.प्र. से बहुत सारी नदियां, सडकें व रेलमार्ग निकलते हैं। (ह्रदय प्रदेश नाम -पं. जवाहरलाल नेहरू ने दिया)

- ✓ नदियों का मायका – म.प्र. पहाडी व पठारी क्षेत्र है, इसलिए यहां से बहुत सी नदियां निकलती है, इसलिए इसे नदियों का मायका कहा गया।
- ✓ दलहन प्रदेश – सर्वाधिक दलहन उत्पादन के कारण।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

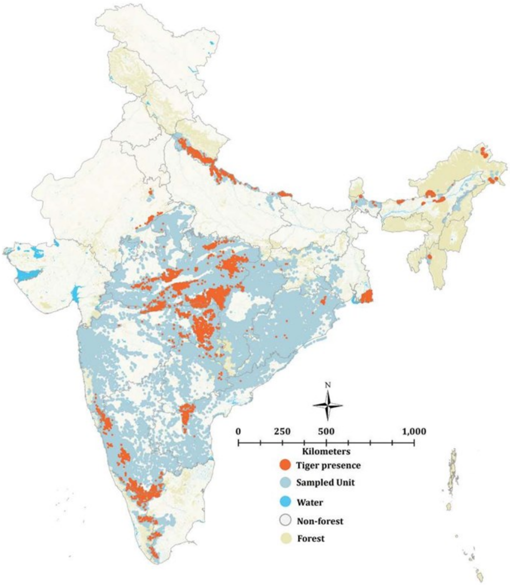

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश का सामान्य परिचय

➢ **म.प्र. के उपनाम –**

- ✓ हीरा प्रदेश- हीरा उत्पादन में म.प्र. का लगभग एकाधिकार है।
- ✓ तेंदूपत्ता राज्य – भारत के कुल तेंदुपत्ता उत्पादन का 60 % म.प्र. में उत्पादित होता है।
- ✓ वनों का राज्य - वन स्थिति रिपोर्ट 2021 के अनुसार मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र 77,493 वर्ग किमी है।

- ✓ उद्यानों का राज्य – सबसे ज्यादा राष्ट्रीय उद्यान म.प्र. में है (कुल-11)
- ✓ तेंदुआ राज्य - 2022 की रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. में तेंदुओं की संख्या – 3907
- ✓ चीता प्रदेश – म.प्र. में शूरूआत में 8 चीते नामिबिया से लाए गए। (एकमात्र राज्य जहां पर अभी चीते हैं।)
- ✓ जनजातिय प्रदेश – सर्वाधिक जनजातियों के कारण।

- ✓ आदिमानव की क्रीडा स्थली।
- ✓ गिद्ध राज्य, प्रायद्वीपीय भारत का मुकुट, घड़ियाल राज्य।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- ➢ राज्य पुष्प – लिली
- वैज्ञानिक नाम - लिलियम कैन्डीडम
- कुल – लिलिएसी
- बाहुल्य क्षेत्र – सम्पूर्ण मध्यप्रदेश

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- ➢ राज्य नृत्य – राई (बुन्देलखण्ड क्षेत्र)
- यह नृत्य गुजरात के प्रसिद्ध गरबा नृत्य के समान ही प्रसिद्ध है।
- यह नृत्य, शादियों और त्योहारों में किया जाता है।
- राई नृत्य के केंद्र में मुख्य नर्तिका होती है, जो मृदंग और ढोल के धुन पर नाचती है।
- इसका मुख्य उद्देश्य मज़ाक और व्यंग्य पैदा करना होता है।
- प्रमुख कलाकार – ज्ञानेश्वरी (कटनी), राम सहाय पांडे (पद्मश्री- 2022)
- विशेष - राई नृत्य बुंदेलखंड तथा बघेलखंड दोनों क्षेत्रों में किया जाता है

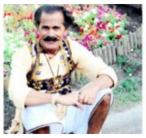

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

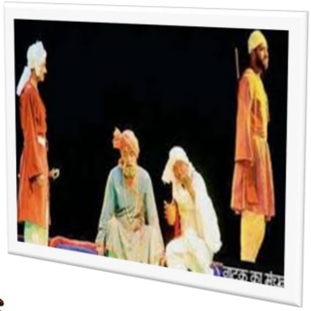

➢ **राज्य नाट्य – माच (मालवा क्षेत्र)**

- माच शब्द संस्कृत में मंच से बना है।
- माच का उद्भव राजस्थान के ख्याल से माना जाता है।
- म.प्र. में लोक मानस के प्रभावी मंच माच को उज्जैन में जन्म मिला है।
- ढोलक तथा सारंगी माच के महत्वपूर्ण वाद्य यंत्र है।
- बालमुकुंद गुरु जी को माच का प्रवर्तक माना जाता है।
- उनके पश्चात् उस्ताद कालूराम ने माच लोकनाट्य की परंपरा को आगे बढ़ाया था।
- माच गुरुओं के रूप में प्रमुख रूप से श्री सिद्धेश्वर सेन, ओम प्रकाश शर्मा का नाम भी उल्लेखनीय है।
- माच कलाकार ओम प्रकाश शर्मा को कला के क्षेत्र में पद्मश्री- 2024।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

➢ **राज्य मछली – महाशीर**

- वैज्ञानिक नाम - टौर प्युटिटौरा
- प्रजाति – टोर
- राजकीय मछली का दर्जा - 2011
- विशेष - महाशीर प्रजनन केंद्र खरगौन के बडवाह में है।
- यह मछली नर्मदा नदी में पाई जाती है।
- इसे "टाइगर ऑफ वाटर" के नाम से भी जाना जाता है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य पक्षी – दुधराज या शाह बुलबुल (पैराडाइज फ्लाईकैचर)
- वैज्ञानिक नाम – टर्पसिफोनी पैराडाइसे
- घोषित वर्ष - 1981
- विशेष- धार के सरदारपुर अभ्यारण्य में तथा रतलाम के सैलाना अभ्यारण में दूधराज पक्षी का संरक्षण है।

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य खेल – मलखम्भ
- राजकीय खेल का दर्जा – अप्रैल 2013
- मलखंभ अकादमी उज्जैन में है (स्थापना – 2018)
- मध्य प्रदेश में 14 मलखंभ केन्द्र है। इंदौर, खरगोन, उज्जैन, बैतूल, दतिया, पन्ना, रतलाम, शाजापुर, शिवपुरी, ग्वालियर, टीकमगढ़, जबलपुर, छतरपुर एवं सागर में संचालित हैं।
- प्रभाष जोशी पुरूस्कार मलखंभ खेल के लिए दिया जाता है। स्थापना – 2013, राशि- 2 लाख रू
- प्रभाष जोशी पुरूस्कार - प्रथम पुरूस्कारकर्ता – अजय वक्तारिया, 2020 - वैष्णवी कहार (उज्जैन), 2021 - मुजाहिद बेग (उज्जैन)
- वर्ष 2020 में उज्जैन के मलखम्भ कोच योगेश मालवीय को द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- ➢ राज्य वृक्ष – बरगद
- वैज्ञानिक नाम - फाइकस वेनगैलेंसिस
- प्रजाति – फाइकस
- राजकीय वर्ष घोषित - 1981

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- ➢ राज्य फल – आम
- वैज्ञानिक नाम - मेंगीफेरा इंडिका
- विशेष – म.प्र. के रीवा में आम अनुसंधान केन्द्र है।
- विशेष – म.प्र. के अलीराजपुर जिले में नूरजहां प्रजाति का आम तथा रीवा जिले में सुंदरजा प्रजाति का आम पाया जाता है।
- रीवा के सुंदरजा आम को 2023 में GI TAG मिला है।

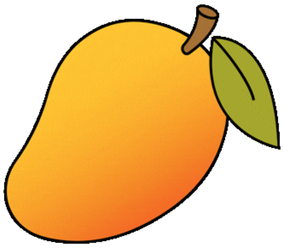

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य पशु – बारहसिंगा (ब्रेडरी प्रजाति)
- वैज्ञानिक नाम - रूसर्वस डुवाउसेली
- प्रजाति - ब्रेडरी प्रजाति
- बारहसिंगा – कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ राष्ट्रीय उद्यान
- राजकीय पशु घोषित - 1981
- विशेष – 2017 में कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में सरकारी शुभंकर प्राप्त करने वाला देश का पहला टाइगर रिजर्व है। जिसका नाम:- भूरसिंह (बारहसिंगा) (डिजाइन – रोहन चक्रवर्ती ने दिया)
- विशेष – बारहसिंगा को दलदल का मृग भी कहा जाता है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राजकीय प्रतीक

- राज्य फसल – सोयाबीन
- वैज्ञानिक नाम - ग्लाईसिन मैक्स
- प्रजाति – लेग्युमिनेसी
- प्रमुख उत्पादक जिले – उज्जैन
- राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र – इन्दौर
- राज्य सोयाबीन अनुसंधान केन्द्र – उज्जैन
- सोयाबीन संयंत्र - उज्जैन

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के राज्य चिन्ह

- राज्य स्थापना दिवस के बाद म.प्र. शासन ने राजकीय प्रतीक चिन्ह अपनाया, उसमें भारत के राजकीय चिन्ह और स्थानीय विशेषताएं, दोनों को महत्व दिया है।
- इस चिन्ह में सबसे बाहर 24 स्तूप आकृति है।
- इसके बाद एक वृत्त है, जो सतत तरक्की और विकास की असीम संभावनाओं का घोतक है।
- इस वृत्त के अंदर मध्यप्रदेश शासन और सत्यमेव जयते के साथ गेहूं (दाएं) और धान (बाएं) की बालियां भी अंकित है।
- केन्द्र के वृत्त में अशोक स्तंभ की सिंह आकृति और राज्य वृक्ष बरगद को दर्शाया गया है।

मध्यप्रदेश की राजधानियां

- म.प्र. की प्रशासनिक राजधानी :- भोपाल
- म.प्र. की आर्थिक, व्यावसायिक व खेल राजधानी :- इंदौर
- म.प्र. की संगीत राजधानी :- मैहर
- म.प्र. की ऊर्जा राजधानी :- सिंगरौली
- म.प्र. की पर्यटन व ग्रीष्मकालीन राजधानी :- पंचमढी
- म.प्र. की मैंग्नीज राजधानी :- बालाघाट
- म.प्र. की धार्मिक व सांस्कृतिक राजधानी :- उज्जैन
- म.प्र. की न्यायिक व संस्कारधानी राजधानी (आचार्य विनोबा भावे के कहने पर) :- जबलपुर

मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति

मध्यप्रदेश का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार

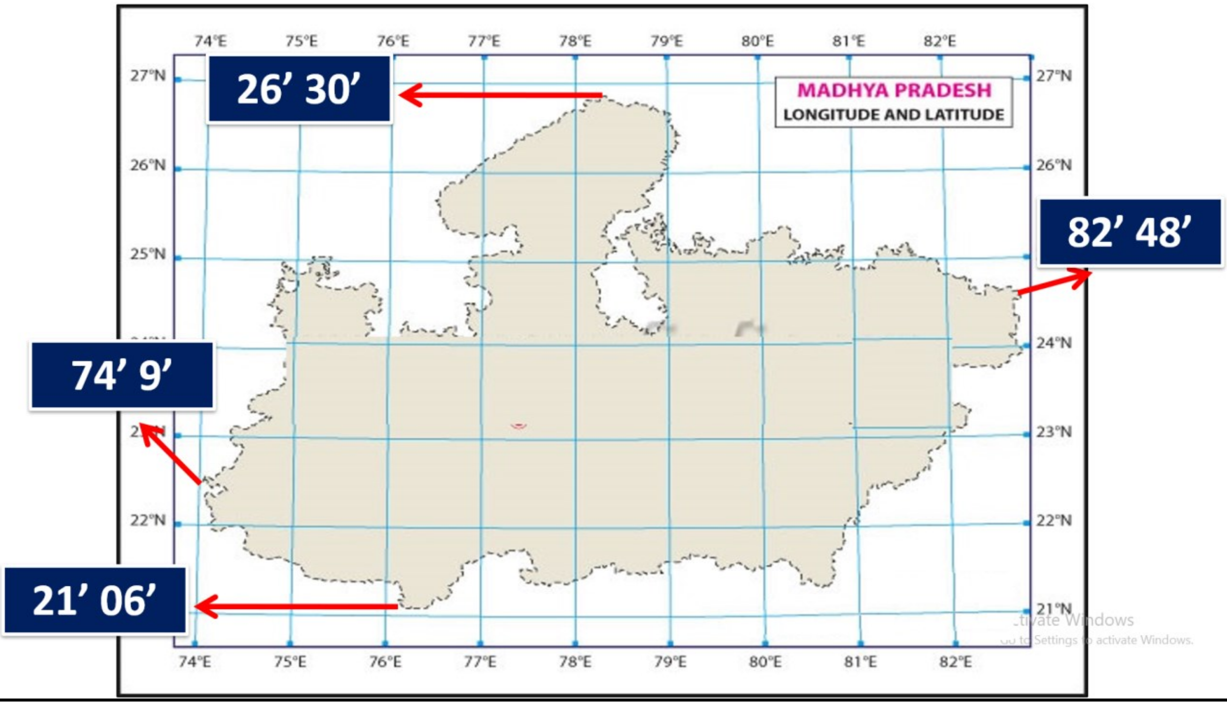

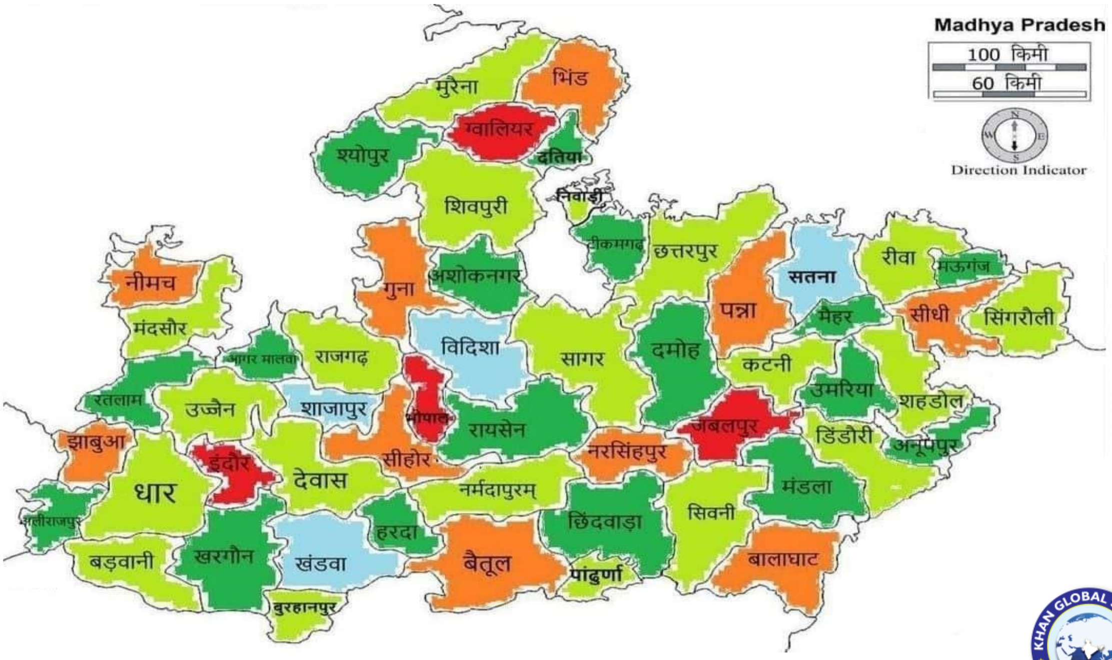

PRESENTED BY PRAMOD RANA

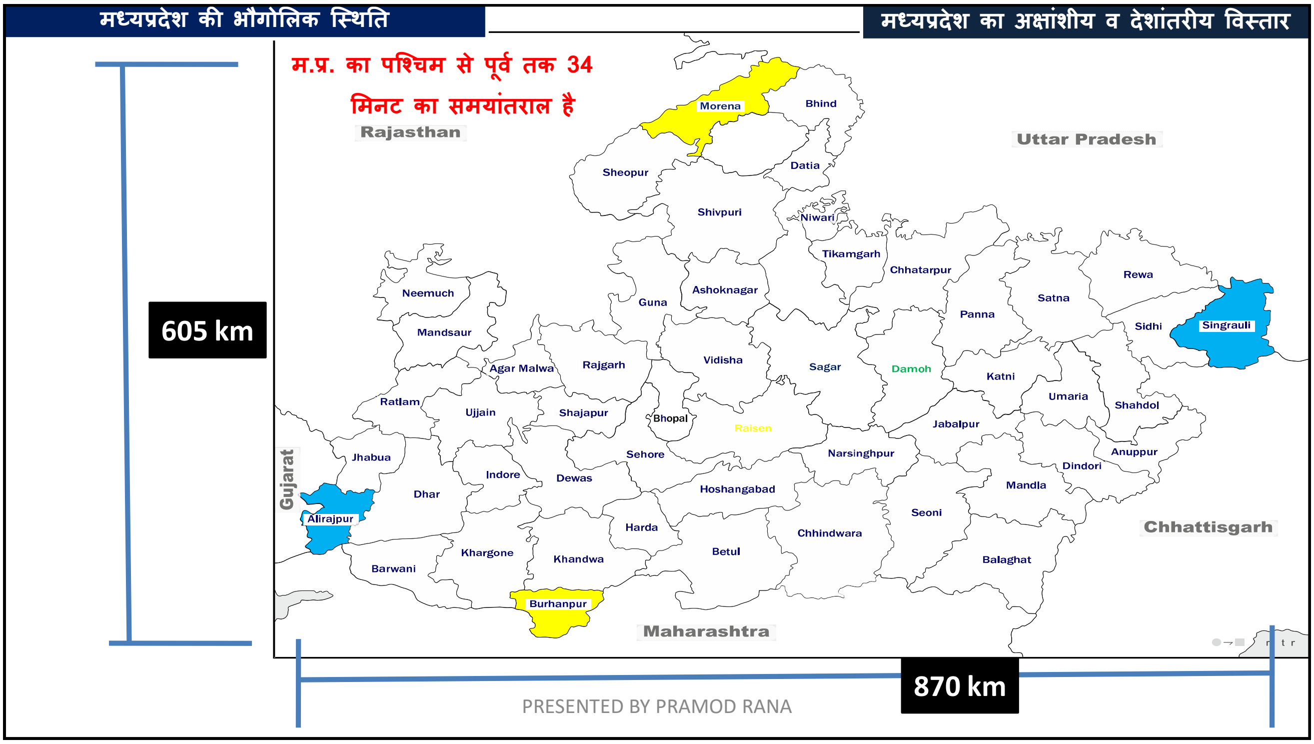
मध्यप्रदेश की भौगोलिक स्थिति
मध्यप्रदेश का अक्षांशीय व देशांतरीय विस्तार
म.प्र. का पश्चिम से पूर्व तक 34 मिनट का समयांतराल है
605 km
870 km
Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
Maharashtra
Morena
Bhind
Sheopur
Datia
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Singrauli
Satna
Sidhi
Panna
Neemuch
Guna
Ashoknagar
Mandsaur
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Anuppur
Dindori
Jhabua
Indore
Dewas
Sehore
Narsinghpur
Mandla
Dhar
Hoshangabad
Alirajpur
Harda
Seoni
Chhindwara
Khargone
Khandwa
Betul
Balaghat
Barwani
Burhanpur
PRESENTED BY PRAMOD RANA

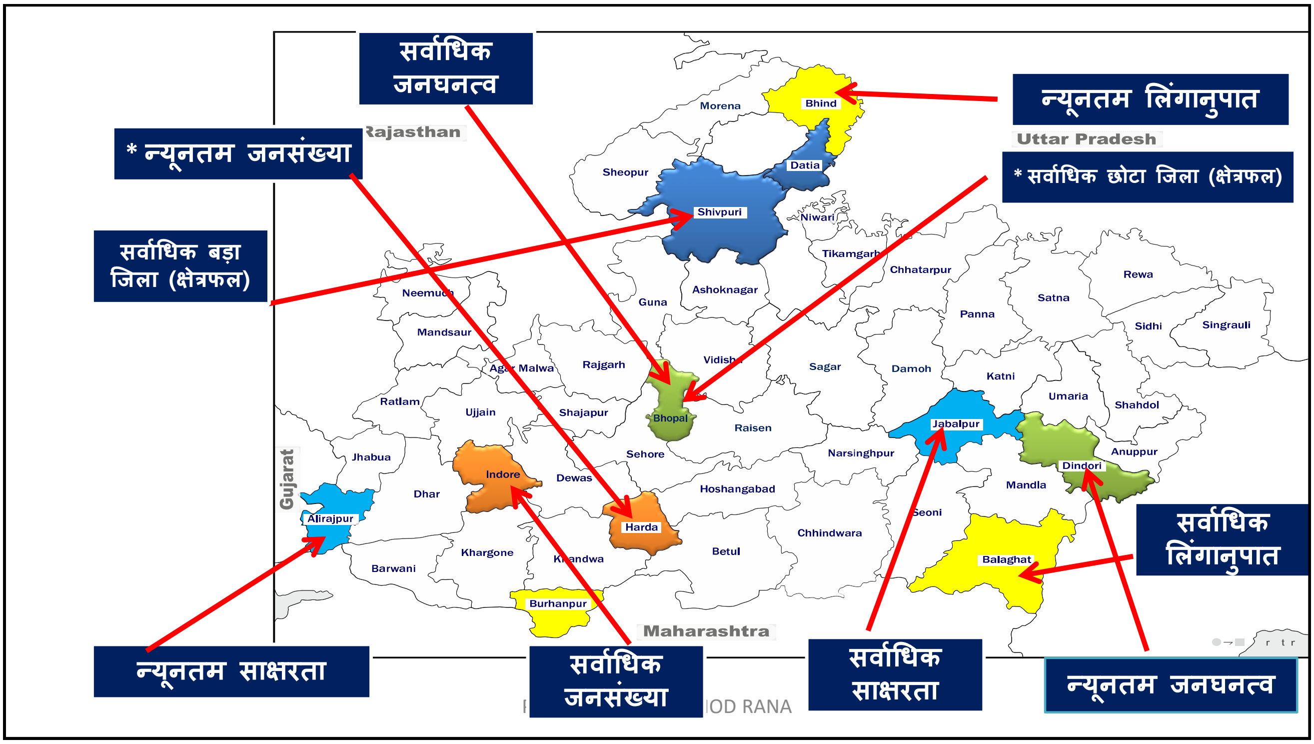
सर्वाधिक जनघनत्व
न्यूनतम लिंगानुपात
* न्यूनतम जनसंख्या
* सर्वाधिक छोटा जिला (क्षेत्रफल)
सर्वाधिक बड़ा जिला (क्षेत्रफल)
सर्वाधिक लिंगानुपात
न्यूनतम साक्षरता
सर्वाधिक जनसंख्या
सर्वाधिक साक्षरता
न्यूनतम जनघनत्व
Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Maharashtra
Morena
Bhind
Sheopur
Datia
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Satna
Sidhi
Singrauli
Panna
Neemuch
Guna
Ashoknagar
Mandsaur
Rajgarh
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Shahdol
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Jabalpur
Anuppur
Dindori
Jhabua
Indore
Dewas
Sehore
Narsinghpur
Mandla
Dhar
Hoshangabad
Alirajpur
Harda
Chhindwara
Khargone
Betul
Balaghat
Barwani
Burhanpur

- * वर्तमान के परिदृश्य में न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला – पांढुर्ना है।
- * वर्तमान के परिदृश्य में न्यूनतम क्षेत्रफल वाला जिला – निवाडी है।
- * 2011 की जनगणना के अनुसार :-
- ❖ न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला – हरदा।
- ❖ न्यूनतम क्षेत्रफल वाला जिला – भोपाल।

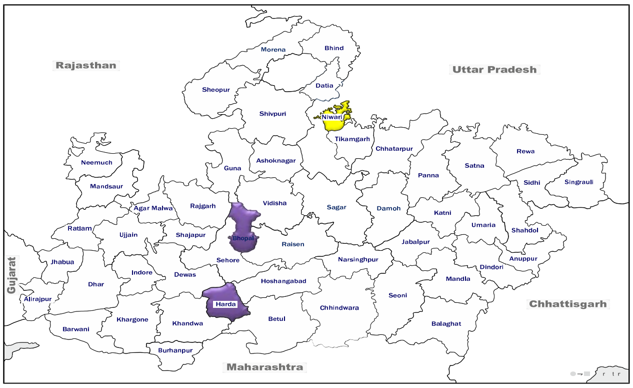

PRESENTED BY PRAMOD RANA

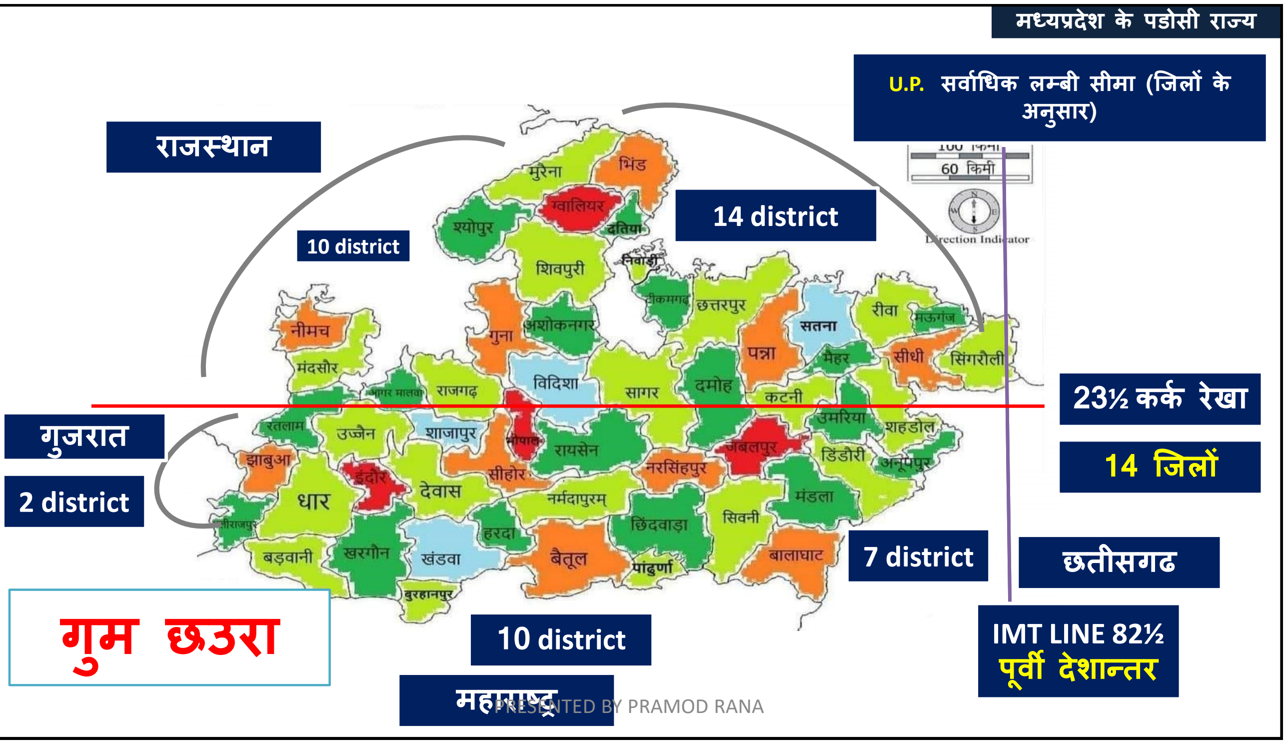

PRESENTED BY PRAMOD RANA

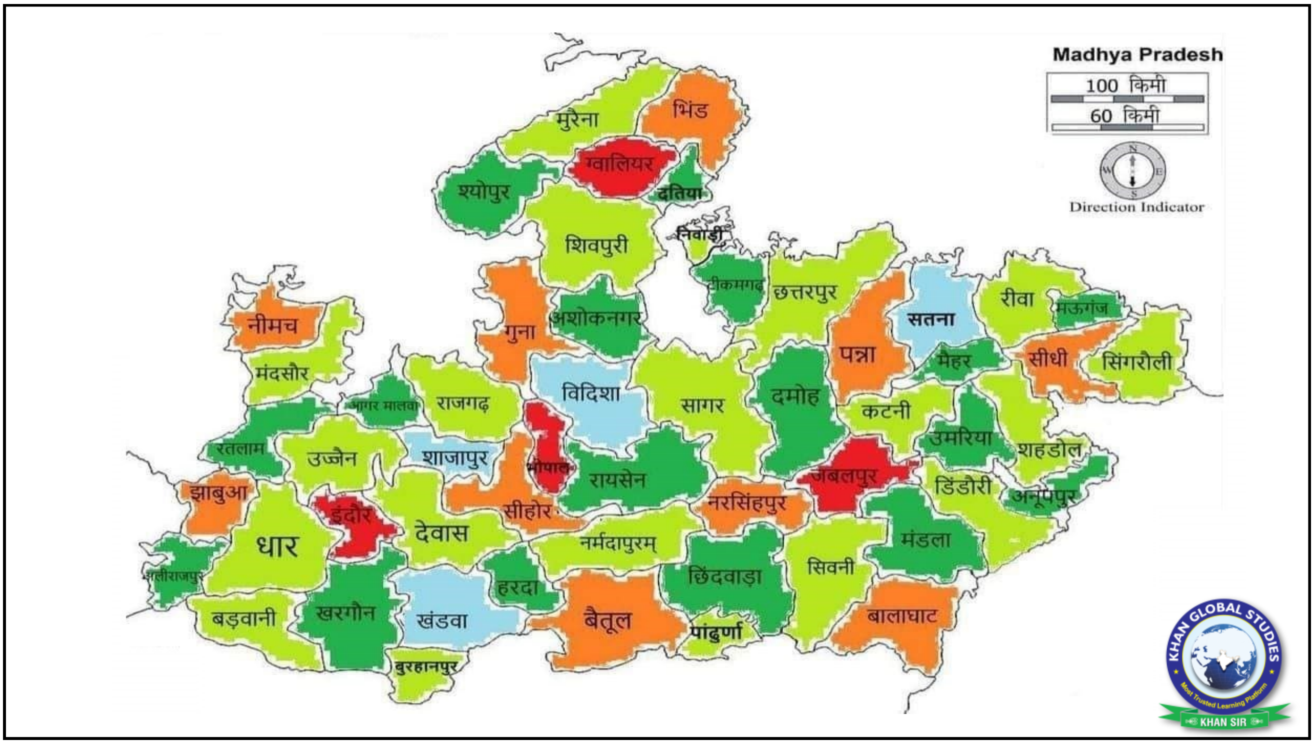
Madhya Pradesh
100 किमी
60 किमी
Direction Indicator
मुरैना
भिंड
ग्वालियर
श्योपुर
दतिया
शिवपुरी
निवाड़ी
टीकमगढ़
छत्तरपुर
सतना
रीवा
मऊगंज
नीमच
गुना
अशोकनगर
पन्ना
मैहर
सीधी
सिंगरौली
मंदसौर
आगर मालवा
राजगढ़
विदिशा
सागर
दमोह
कटनी
रतलाम
उज्जैन
शाजापुर
भोपाल
रायसेन
उमरिया
शहडोल
जबलपुर
डिंडोरी
अनूपपुर
झाबुआ
इंदौर
देवास
सीहोर
नरसिंहपुर
धार
नर्मदापुरम्
मंडला
अलीराजपुर
हरदा
छिंदवाड़ा
सिवनी
बड़वानी
खरगौन
खंडवा
बैतूल
पांढुर्णा
बालाघाट
बुरहानपुर
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

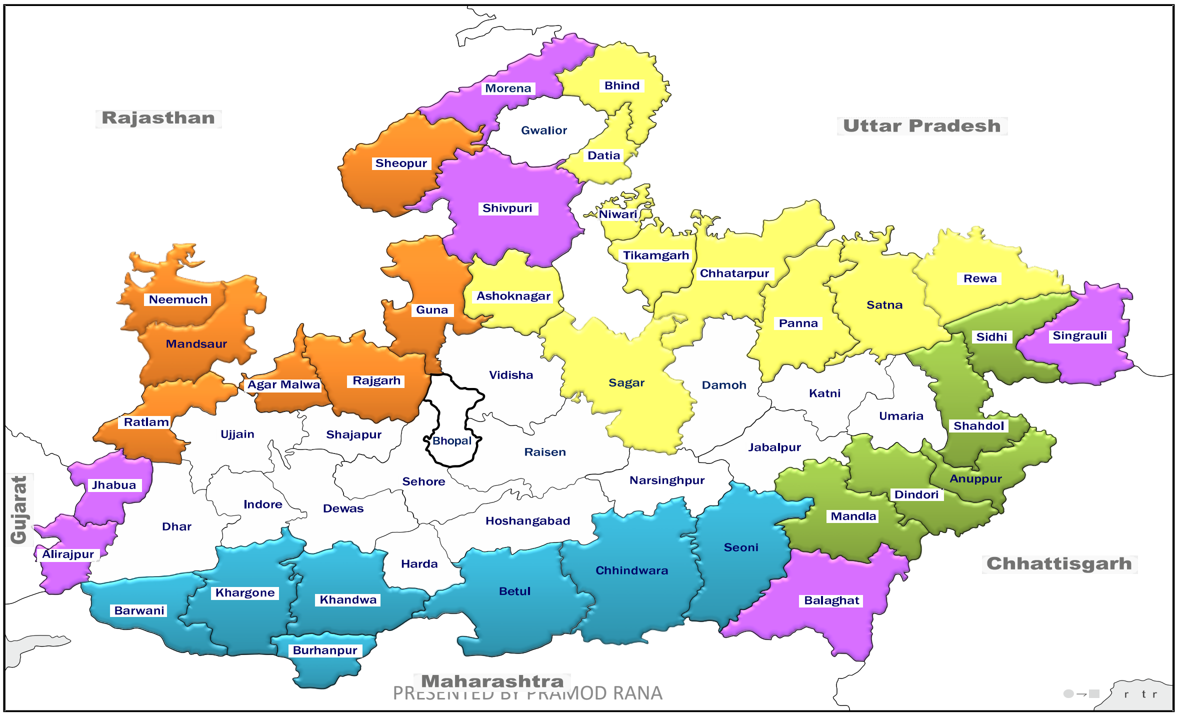
Rajasthan
Uttar Pradesh
Gujarat
Chhattisgarh
Maharashtra
Morena
Bhind
Gwalior
Datia
Sheopur
Shivpuri
Niwari
Tikamgarh
Chhatarpur
Rewa
Neemuch
Ashoknagar
Guna
Satna
Panna
Sidhi
Singrauli
Mandsaur
Agar Malwa
Rajgarh
Vidisha
Sagar
Damoh
Katni
Umaria
Ratlam
Ujjain
Shajapur
Bhopal
Raisen
Shahdol
Jabalpur
Jhabua
Sehore
Narsinghpur
Anuppur
Indore
Dewas
Dindori
Dhar
Hoshangabad
Mandla
Alirajpur
Harda
Chhindwara
Seoni
Betul
Khargone
Khandwa
Balaghat
Barwani
Burhanpur

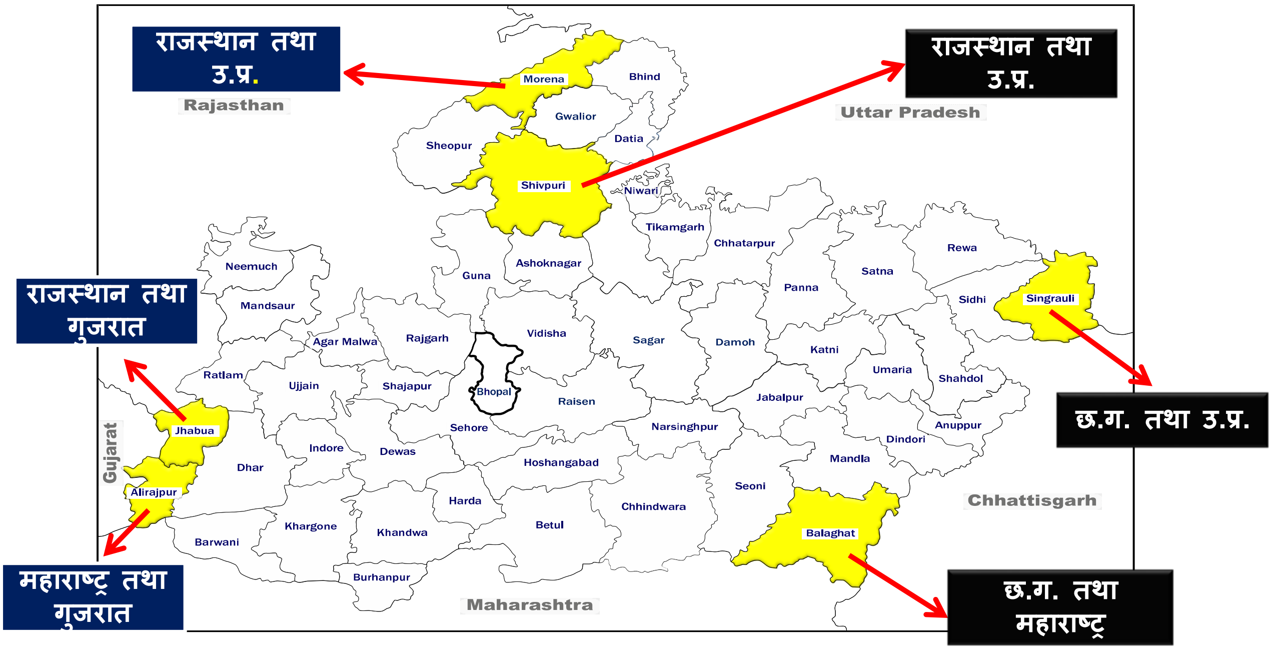

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश

राज्यों के साथ सर्वाधिक सीमा बनाने वाले म.प्र. के जिले:-

अलीराजपुर – गुजरात के साथ

नीमच – राजस्थान के साथ

अनूपपुर – छतीसगढ के साथ

बैतूल – महाराष्ट्र के साथ

सिंगरौली / निवाडी – उ.प्र. के साथ

म.प्र. का निकटतम बंदरगाह – मुंबई

नोट- म.प्र. की सर्वाधिक सीमा क्षेत्रफल के अनुसार राजस्थान से है तथा जिलों के अनुसार उ.प्र. से है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश

- म.प्र. के अंतर्वती जिले (जिनकी सीमा अन्य राज्य को नहीं छूती)- 18 जिले – ग्वालियर, विदिशा, उज्जैन, धार, इंदौर, देवास, शाजापुर, सीहोर, भोपाल, रायसेन, होशंगाबाद, हरदा, दमोह, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, मैहर एवं उमरिया।।
- म.प्र. का क्षेत्रफल – 3,08,252 वर्ग किमी (भारत का 9.38 %)
- म.प्र. से अलग हुआ छ.ग. का भू-क्षेत्र – 1,35,913 वर्ग किमी (म.प्र. का 30.47 %)
- कर्क रेखा म.प्र. के 14 जिलों से गुजरती है।
- भारत की मध्यान्ह रेखा 82.5 एकमात्र सिंगरोली जिले से गुजरती है। (भारत के 5 राज्यों से होकर गुजरती है – उ.प्र. , म.प्र. , छतीसगढ , ओडिशा , आंध्रप्रदेश)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

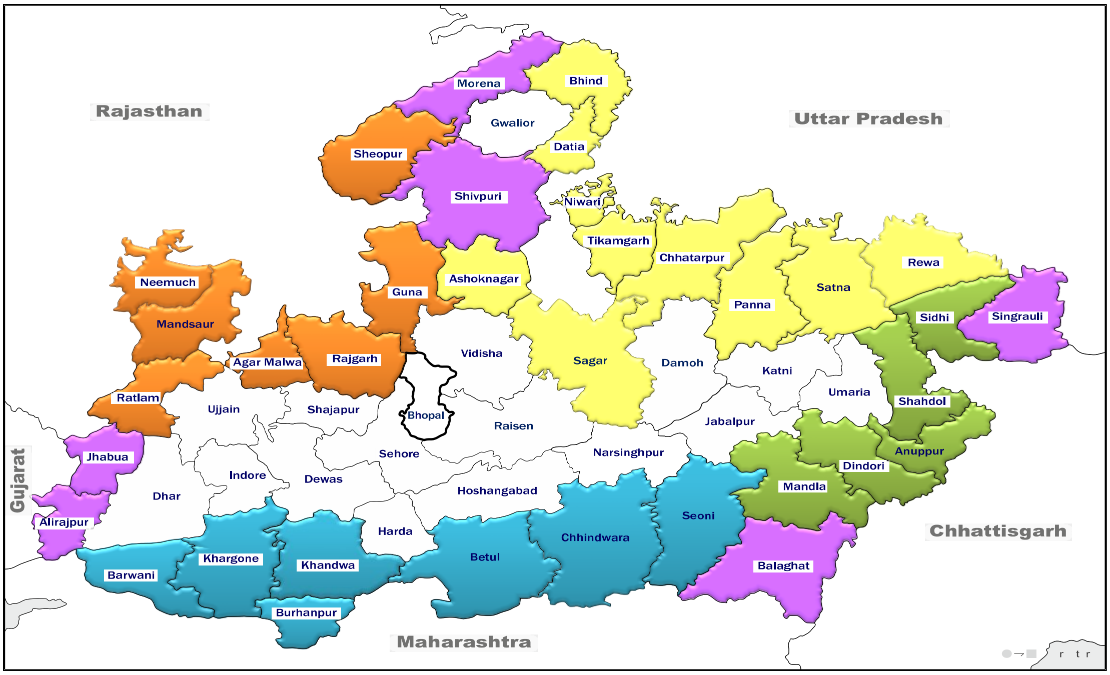

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश में कर्क रेखा

कर्क रेखा म.प्र. के 14 जिलों से गुजरती है।

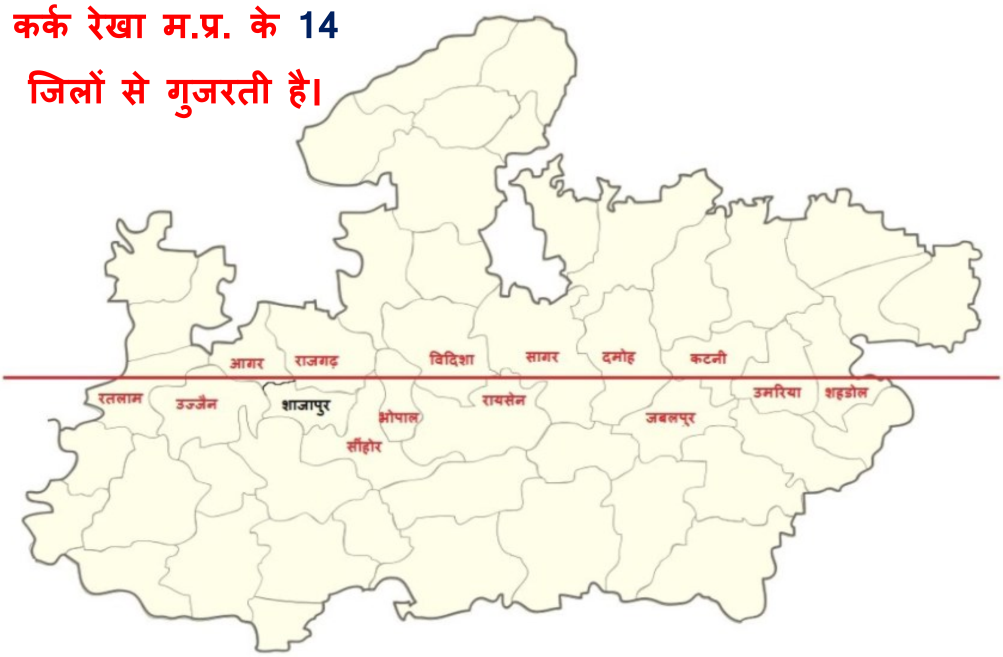

कर्क रेखा भारत के 8 राज्यों से गुजरती है।

- गुजरात
- राजस्थान
- मध्य प्रदेश
- छत्तीसगढ़
- झारखण्ड
- पश्चिम बंगाल
- त्रिपुरा
- मिज़ोरम

मध्यप्रदेश में कर्क रेखा

- कर्क रेखा मालवा के पठार के मध्य से होकर गुजरती है।
- कर्क रेखा बघेलखंड के पठार को दो बराबर भागों में बांटती है।
- माही नदी कर्क रेखा को दो बार काटती है।
- कर्क रेखा 5 संभागों से होकर जाती है, जो निम्न है:- उज्जैन, भोपाल (भोपाल संभाग के सभी जिलों से), सागर, जबलपुर, शहडोल से जाती है।

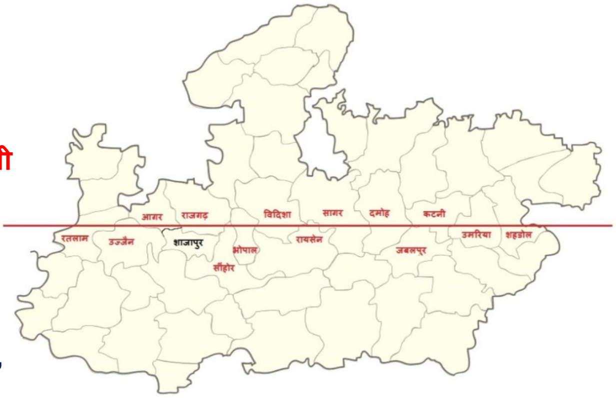

मध्यप्रदेश की जलवायु

- म.प्र. में उष्ण कटिबंधीय मानसूनी जलवायु पाई जाती है।
- मध्य भारत के पठार में विषम जलवायु पायी जाती है।
- मालवा के पठार में आदर्श जलवायु पायी जाती है।

मध्यप्रदेश के वन

- म.प्र. में उष्ण कटिबंधीय वन पाए जाते हैं।
- म.प्र. में सर्वाधिक सागौन के वृक्ष पाए जाते हैं।
- वर्ष 2021 की वन रिपोर्ट के अनुसार म.प्र. में 77493 वर्ग कि.मी. में वन है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

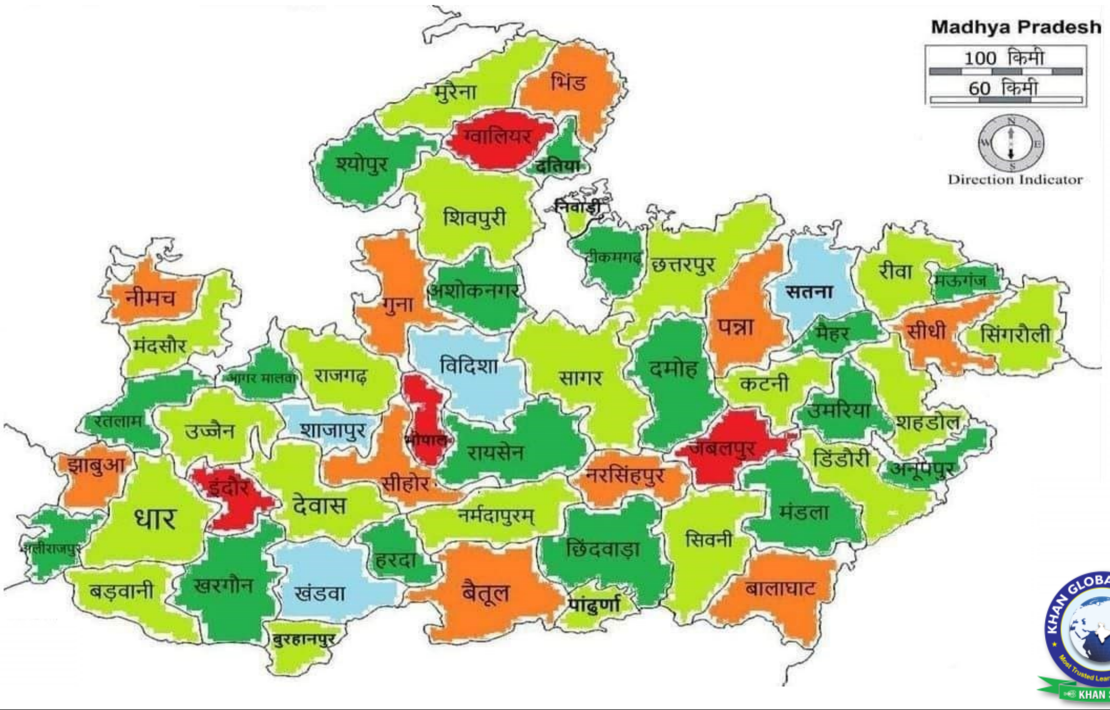

मध्यप्रदेश में वर्षा

- म.प्र. में वार्षिक औसत वर्षा 112 सेंटीमीटर होती है।
- म.प्र. में सर्वाधिक वर्षा पंचमढी व न्यूनतम वर्षा गोहद में होती है।

मध्यप्रदेश में मृदा

- म.प्र. में 5 प्रकार की मृदा पाई जाती है।
- म.प्र. में सर्वाधिक काली मृदा पाई जाती है।
- कपास की खेती के लिए काली मृदा ऊपर्युक्त है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश में तापमान

- म.प्र. में सबसे अधिक वार्षिक तापान्तर उत्तरी क्षेत्र में रहता है।
- म.प्र. में ग्रीष्म ऋतु में औसत तापमान दक्षिण से उत्तर की ओर बढता है।
- म.प्र. में सर्वाधिक तापमान मई माह में होता है।
- म.प्र. में न्यूनतम तापमान जनवरी माह में होता है।
- म.प्र. में सर्वाधिक तापान्तर मार्च माह में होता है।
- शीत ऋतु में उत्तरी भागों में तापमान दक्षिणी भागों की तुलना में कम हो जाता है।
- राज्य का दक्षिण-पूर्वी भाग अपेक्षाकृत अधिक वर्षा प्राप्त करता है।
- ग्रीष्म ऋतु में मुरैना व दतिया जिलों में तापमान अधिक रहता है।
- सामान्यतः, शीत ऋतु शुष्क होती है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश में केंद्रीय बिंदु

- स्वतंत्रता पूर्व अखण्ड भारत का केंद्र बिंदु मध्य प्रदेश में बैतूल जिले के बरसाली गांव में है।
- अविभाजित भारत का मध्य बिंदु (भौगोलिक केंद्र बिंदु) जिला कटनी, मध्य प्रदेश में करौंदी में स्थित है।
- वर्तमान भारत का केंद्र बिंदु विदिशा है।
- पृथ्वी का केंद्र बिंदु मंगलनाथ मंदिर (उज्जैन) है।
- म.प्र. के केंद्र बिंदु सागर है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश की प्रशासनिक स्थिति

मध्यप्रदेश में वर्तमान की स्थिति	
संभाग	10
जिले	55
विकासखंढ (तहसीलों का समूह)	313 (89 आदिवासी विकासखंड)
तहसील	436
ग्राम पंचायतें	23922
नगर निगम	17
नगर पालिकाएं	98
नगर परिषद	298
कुल ग्राम	54903

PRESENTED BY PRAMOD RANA

- **प्रदेश में 17 नगर निगम हैं :-**

1)जबलपुर 2) देवास 3) कटनी 4) इंदौर 5) बुराहनपुर 6) रतलाम 7) खंडवा 8) उज्जैन 9) रीवा 10) छिंदवाड़ा 11) सिंगरौली 12) मोरेना 13) भोपाल 14) सागर 15) सतना 16) ग्वालियर 17) भिण्ड

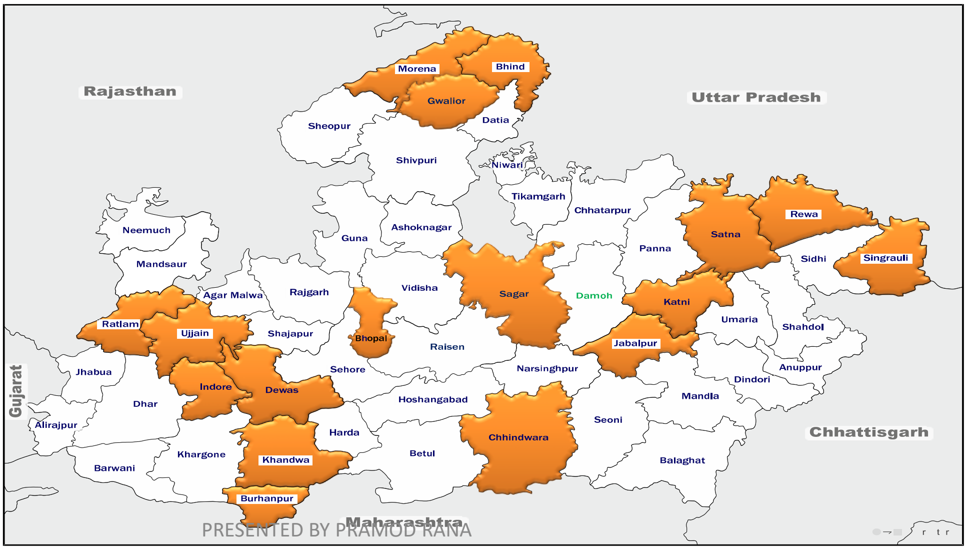

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश की न्यायिक स्थिति

- 2 नवंबर 1861 को सेंट्रल प्रॉविन्स की स्थापना हुई, चूँकि न्यायिक आयुक्त क्षेत्र न्यायिक आयुक्त द्वारा प्रशासित था। उस समय, नागपुर स्थित न्यायिक आयुक्त का न्यायालय इस क्षेत्र का शीर्ष न्यायालय था।
- तत्पश्चात्, सम्राट जार्ज पंचम द्वारा 2 जनवरी सन् 1936 को भारत सरकार अधिनियम 1935 की धारा-108 के अंतर्गत जारी लैटर्स पेटेंट के द्वारा सेंट्रल प्राविंश व बरार प्रांत हेतु नागपुर उच्च न्यायालय की स्थापना की गई।
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम के बाद 1 नवंबर 1956 से, वर्तमान मध्यप्रदेश राज्य के संबंध में अधिकारिता का प्रयोग करने वाले उच्च न्यायालय, अर्थात नागपुर उच्च न्यायालय, वर्तमान मध्यप्रदेश राज्य हेतु उच्च न्यायालय समझा जाएगा।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश की न्यायिक स्थिति

- इसी समय 2 अस्थाई पीठें बनाई गईं – इंदौर तथा ग्वालियर।
- बाद में 28 नवंबर 1968 को इंदौर तथा ग्वालियर खंडपीठ को स्थायी कर दिया गया।
- जबलपुर हाईकोर्ट भवन का निर्माण 1889 ई. में राजा गोकुलदास ने करवाया था, तथा इसके वास्तुकार हेनरी इरविन है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश की राजनीतिक स्थिति

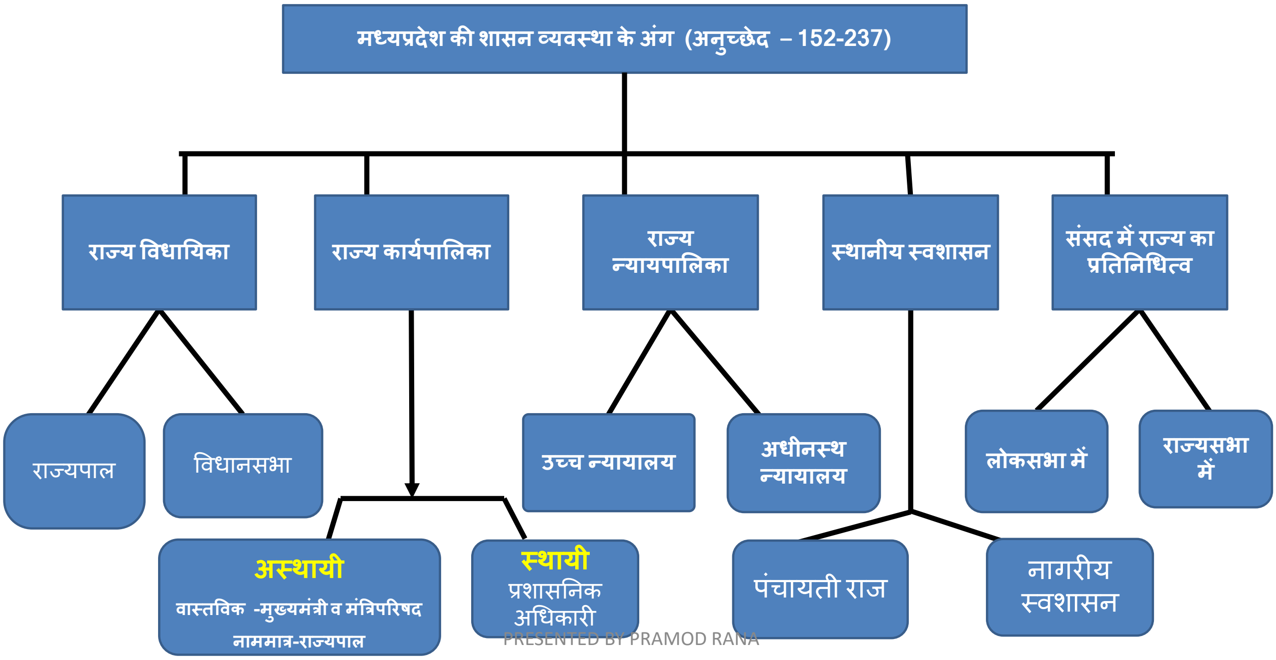

PRESENTED BY PRAMOD RANA

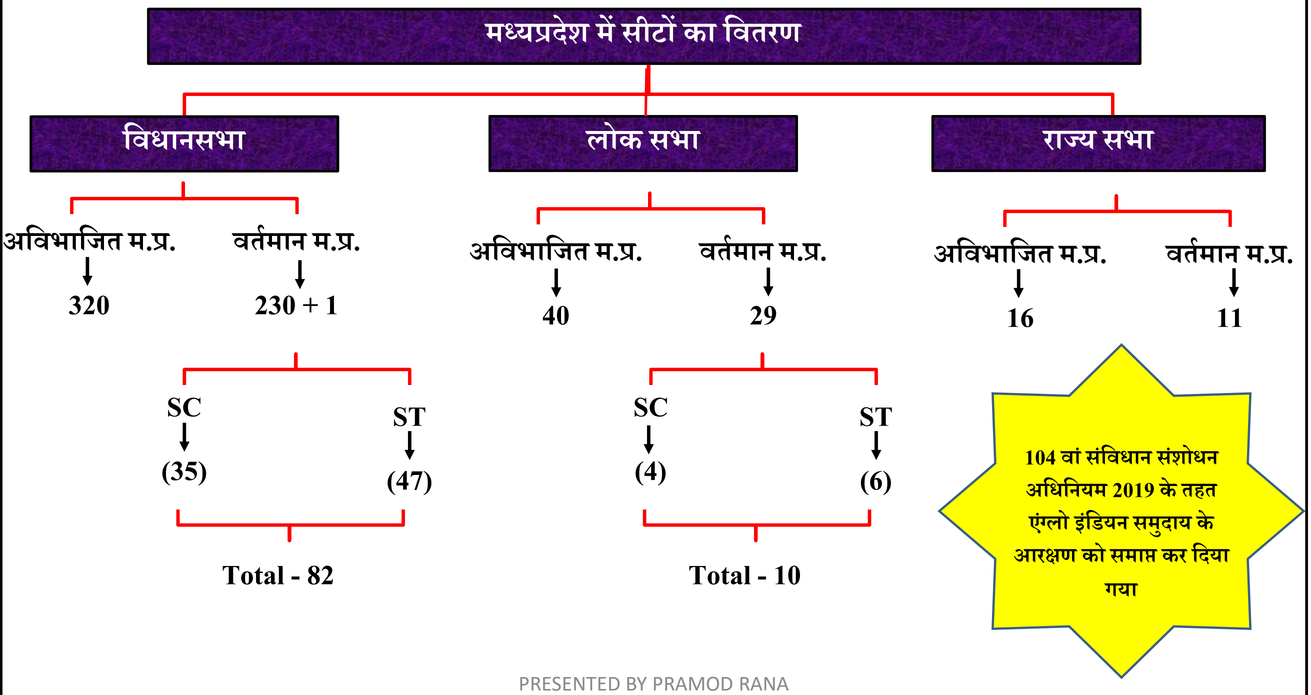

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश की आर्थिक स्थिति

- म.प्र. एक कृषि प्रधान देश है। म.प्र. की ज्यादातर जनसंख्या कृषि पर निर्भर है।
- म.प्र. को लगातार 7वीं बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार मिला है।
- मध्यप्रदेश राज्य मक्का, चना, उड़द, कुल दलहन, कुल तिलहन के उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।
- म.प्र. का हीरा तथा तांबा उत्पादन में भी प्रथम स्थान पर है।
- म.प्र. का इंदौर शहर लगातार 7 वीं बार देश का सबसे स्वच्छ शहर बना है।
- मिलेट का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष 2023 – म.प्र. भारत के कोदो-कुटकी के प्रमुख उत्पादकों में से एक है।
- म.प्र. में 2020 में म.प्र. राज्य मिलट मिशन तथा मुख्यमंत्री कोदो कुटकी खेती सहायता योजना शुरू की है।
- मंडला कोदो कुटकी का प्रमुख केन्द्र है।
- म.प्र. की प्रमुख वाणिज्यिक फसलें- सरसों, सोयाबीन तथा कपास।
- म.प्र., भारत में सोयाबीन का सबसे बडा उत्पादक है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश के रामसर स्थल

रामसर स्थल	वर्ष	स्थिति	प्रमुख विशेषता
बड़ा तालाब / भोज ताल	2002	भोपाल	निर्माण – परमार वंश के शासक राजा भोज द्वारा। विशेषता – म.प्र. का प्रथम रामसर स्थल।
सांख्य सागर	1 जुलाई, 2022	शिवपुरी	निर्माण - माधव राव सिंधिया के द्वारा। विशेषता – माधव राष्ट्रीय उद्यान में स्थित विशेषता – मनिहार नदी पर बांधों का निर्माण कराते हुए सॉख्य सागर नामक कृत्रिम झील का निर्माण करवाया था ।
सिरपुर तालाब	1 जुलाई, 2022	इंदौर	निर्माण – शिवाजीराव होल्कर के दवारा। विशेषता – वर्ष 2019 में म.प्र. सरकार ने इसे राष्ट्रीय महत्व का स्थान घोषित किया है।
यशवंत सागर	13 अगस्त, 2022	इंदौर	निर्माण – यशवंत राव होल्कर के द्वारा। विशेषता – इसका निर्माण गंभीर नदी पर बांध बनाकर किया गया है।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

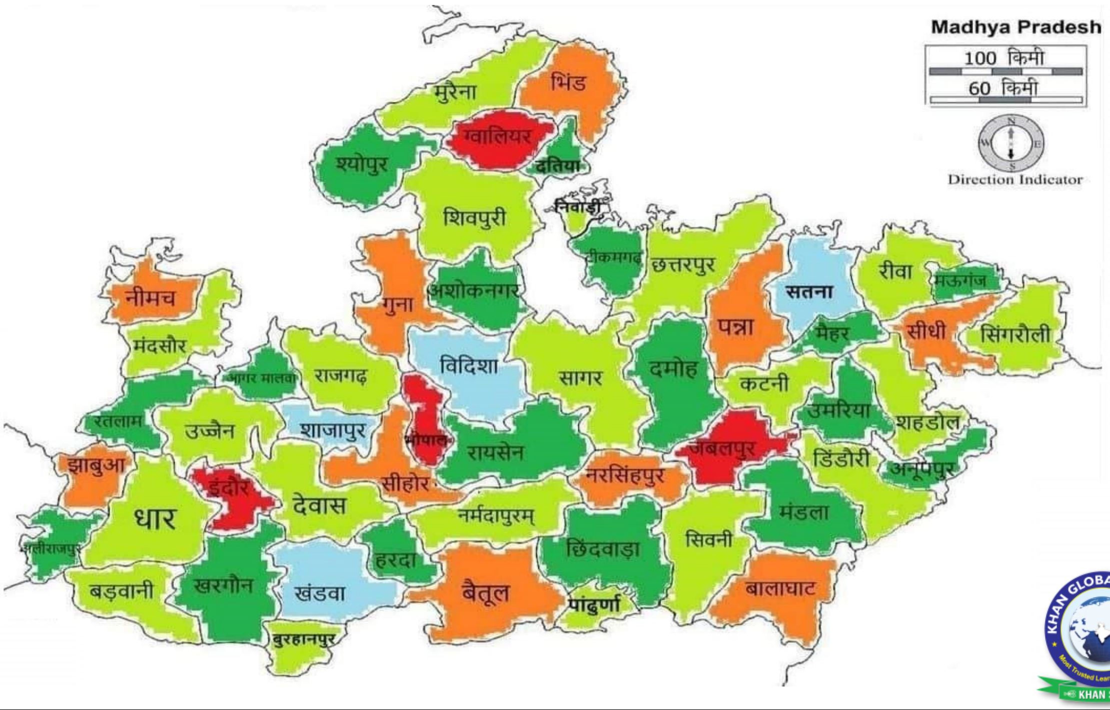

UNESCO

- UNESCO - United Nations Educational, Scientific and Cultural Organization (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन
- UNESCO द्वारा सूचीबद्ध विशेष सांस्कृतिक या भौतिक महत्व के स्थलों को विश्व धरोहर स्थल के रूप में जाना जाता है। विश्व धरोहर स्थलों की सूची को 'विश्व धरोहर कार्यक्रम' द्वारा तैयार किया जाता है, यूनेस्को की विश्व धरोहर समिति द्वारा इस कार्यक्रम को नियंत्रित किया जाता है।
- स्थापना – 16 नवंबर 1945
- मुख्यालय – पेरिस (फ्रांस)
- उद्देश्य - इसकी स्थापना का मकसद शिक्षा, संस्कृति और विज्ञान के प्रचार-प्रसार के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति, विकास और संबंधों को बढ़ावा देना है।
- UNESCO के द्वारा भारत में कुल 42 स्थल विश्व धरोहर सूची में शामिल है, जिसको 3 भागों में बांटा गया है:-

PRESENTED BY PRAMOD RANA

UNESCO

सांस्कृतिक विरासत
कुल - 34

प्राकृतिक विरासत
कुल - 7

मिश्रित विरासत
कुल-1

PRESENTED BY PRAMOD RANA

मध्यप्रदेश में विश्व विरासत स्थल

सांस्कृतिक धरोहर स्थल

- खजुराहो
- सांची
- भीमबेटका

प्राकृतिक धरोहर स्थल

विश्व विरासत शहर

- ग्वालियर
- ओरछा

PRESENTED BY PRAMOD RANA

- म.प्र. के 3 स्थलों को UNESCO की WORLD HERITAGE SITE में शामिल किया गया है, तीनों स्थल सांस्कृतिक विरासत के तहत आते हैं।

1) खजुराहो (शामिल - 1986)

2) सांची (शामिल - 1989)

3) भीमबैटका (शामिल - 2003)

PRESENTED BY PRAMOD RANA

UNESCO

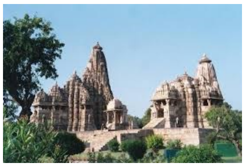

1 - खजुराहो के मंदिर

- खजुराहो समूह स्मारक मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित है।
- खजुराहो को 1986 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- निर्माण:-चंदेल वंश द्वारा 950 से 1050 ईस्वी के बीच।

- यह मंदिर नागर शैली में बने हैं।
- वर्ष 1838 में ब्रिटिश इंजीनियर टीएस बर्ट ने खजुराहो के मंदिरों की खोज की थी।
- ऐतिहासिक अभिलेखों में दावा किया गया है कि खजुराहो मंदिरों के स्थान पर 12 वीं शताब्दी तक 85 मंदिर थे, इनमें से 20 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए, वर्तमान में केवल 25 मंदिर बच गए हैं।

UNESCO

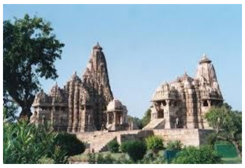

1 - खजुराहो के मंदिर

- खजुराहो के मंदिरों को जटकरी मंदिर भी कहा जाता है।
- इतिहास में इन मंदिरों का सबसे पहला जो उल्लेख मिलता है, वह अबू रिहान अल बरूनी (1022 ईसवी) तथा अरब मुसाफ़िर इब्नबतूता का है।
- खजुराहो के मंदिर जैन धर्म तथा हिन्दु धर्म (वैष्ण व शैव) से संबंधित है।
- सामान्य रूप से यहां के मंदिर बलुआ पत्थर से निर्मित किए गए हैं, लेकिन चौंसठ योगिनी, ब्रह्मा तथा ललगुआँ महादेव मंदिर ग्रेनाइट (कणाष्म) से निर्मित हैं।
- खजुराहों में देश का पहला हीरा संग्रहालय खुलने जा रहा है।

खजुराहो मंदिर

पश्चिमी समूह

- कंदरिया महादेव मंदिर – भगवान शिव को समर्पित व सबसे बडा मंदिर (विद्याधर ने बनवाया)
- विश्वनाथ मंदिर
- मतंगेश्वर मंदिर - भगवान शिव को समर्पित (हर्षवर्मन ने बनवाया)
- चौंसठ योगिनी मंदिर – महाकाली को समर्पित (खजुराहो का सबसे प्राचीन मंदिर)
- लक्ष्मण मंदिर – बैकुंठ जी की मूर्ति (यशोवर्मन ने बनवाया)
- चित्रगुप्त मंदिर – सूर्य भगवान को समर्पित
- लक्ष्मी मंदिर, पार्वती मंदिर
- वराह मंदिर, सिंह मंदिर, नन्दी मंदिर,

दक्षिण समूह

- दुल्हादेव मंदिर – भगवान शिव को समर्पित
- चतुर्भुज मंदिर
- वैधनाथ मंदिर

पूर्वी समूह

- पार्श्वनाथ मंदिर
- आदिनाथ मंदिर
- जवारी मंदिर
- शांतिनाथ मंदिर
- घंटाई मंदिर

PRESENTED BY PRAMOD RANA

2 - सांची स्तूप

UNESCO

- सांची स्तूप मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है।
- सांची स्तूप की खोज सन् 1818 ई. में जनरल टेलर ने की थी।
- प्राचीन नाम – बौद्धश्री पर्वत, काकणाय, काकणादबाट, चेतियागिरी।
- सांची को 1989 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- सांची को बुद्ध जगत की पवित्र नगरी कहा जाता है।
- इसका निर्माण ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी में सम्राट अशोक ने करवाया था।
- कनिंघम ने 1854 ई. में मुख्य संरचना के निकट क्षेत्रों में 60 स्तूपों की खोज की।
- 1936 ई. में मोहम्मद कुरैशी ने बौद्ध विहार की खोज की।
- सांची में 3 स्तूप विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं, जिनमें एक विशाल स्तूप (महास्तूप), तथा दो छोटे स्तूप हैं।
- भोपाल की बेगमों (शाहजहां बेगम और के. खुसरो जहां बेगम) ने भी इसे संरक्षित करवाया।
- महास्तूप – गौतम बुद्ध के दांत। दूसरे स्तूप- अशोक के समय धर्म प्रचारकों की जानकारी। तीसरे स्तूप- सारिपुत्र और महामोग्लायन की अस्थियों के अवशेष।

PRESENTED BY PRAMOD RANA

3 - भीमबेटका की गुफाए

UNESCO

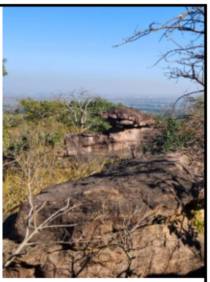

- भीमबेटका, मध्यप्रदेश के रायसेन जिले के अब्दुल्लागंज में स्थित है।
- भीमबेटका की खोज विष्णु वाकणकर ने सन् 1957-58 में की थी।
- 1990 ई. में भीमबेटका को राष्ट्रीय महत्व का स्थल घोषित किया।
- भीमबेटका की गुफाओं को 2003 ई. में UNESCO की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया।
- भीमबैठिका में आदिमानव के साक्ष्य प्राप्त हुए है।
- इन गुफाओं में 16 रंगों का प्रयोग हुआ है, जिनमें सबसे अधिक सफेद व लाल रंगों का प्रयोग हुआ है।
- भीमबेटका की गुफाएं रातापानी अभ्यारण के अंतर्गत आती है।
- इनमें प्रमुख रूप से 15 गुफा शैलाश्रय है, जिनमें से शैलाश्रय नं.-4 को विष्णु वाकणकर ने चिड़ियाघर कहा है।

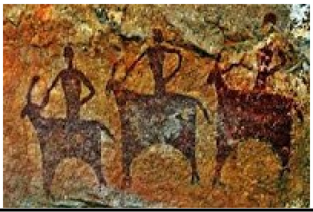

मध्य प्रदेश का सामान्य ज्ञान

संभावित प्रश्न

अति लघु उत्तरीय	लघु उत्तरीय	दीर्घ उत्तरीय
म.प्र. के चारों ओर स्थित राज्यों के नाम बताएं तथा राज्य का अक्षांशीय और देशान्तरीय विस्तार लिखें। (2016)	म.प्र. के प्रमुख रामसर स्थलों के बारे में विस्तार पूर्वक बताइए।	
कर्क रेखा से गुजरने वाले म.प्र. के जिले	कर्क रेखा म.प्र. की जलवायु को किस तरह प्रभावित करती है।	
म.प्र. की अक्षांशीय और देशान्तरीय स्थिति		
म.प्र. के उन जिलों के नाम बताइए जो दो राज्यों की सीमा को छूते हैं।		
म.प्र. का राजकीय पक्षी		
भीमबैटका को किस वर्ष विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। (2022)		

KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR
मध्य प्रदेश सामान्य ज्ञान
PRESENTED BY PRAMOD
प्रमोद राणा सर